Approved by the O.T.B.O.S held 21.7.2018

सस्कृत महाविद्यालयों के लिये निर्धारित पाठ्यक्रम

1. प्राक् शास्त्री

1.1 प्राक्–शास्त्री (प्रथम वर्ष) में प्रवेश के नियम

प्राक्–शास्त्री प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिये वे सभी विद्यार्थी पात्र होंगे, जिन्होनें मान्यता प्राप्त बोर्ड से दसवीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इसके अतिरिक्त जिन विद्यार्थियों ने पूर्व–मध्यमा (द्वितीय–खण्ड) अथवा विद्या–अधिकारी की परीक्षा उत्तीर्ण की हो, वे भी प्राक्–शास्त्री प्रथम वर्ष में प्रवेश के पात्र होंगे।

1.2 प्राक्–षास्त्री (द्वितीय–वर्ष) में प्रवेश के नियम

प्राक्–शास्त्री द्वितीय वर्ष में प्रवेश के लिये केवल मात्र, वे छात्र पात्र होगें, जिन्होनें प्राक् –शास्त्री प्रथम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो।

1.3 आयु सीमा

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के पत्र संख्या 4–20/2015–एच.पी.यू (शै0) दिनांक 23 जून, 2017 के अनुसार प्राक्–शास्त्री, शास्त्री, विशिष्ट–शास्त्री, तथा आचार्य कक्षाओं में आयु सीमा के वे सभी नियम मान्य होंगे, जिनका उल्लेख हि0प्र0विश्वविद्यालय के अध्यादेश में अनुच्छेद 3.3(ए) में किया गया है।

2. शास्त्री (Proficiency in Sanskrit)

2.1 शास्त्री (Proficiency in Sanskrit) का अभिप्राय

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के अधिनियम 2002, Vol.1, Chapter, 5.3(एल) तथा Chapter 8.80–81 की अन्तः व्याख्याओं के अनुसार शास्त्री (Proficiency in Sanskrit) का अभिप्राय ऐसे पाठ्यक्रम से है, जिसमें विद्यार्थी निर्धारित समयावधि में केवल संस्कृत के ही विभिन्न पाठ्यक्रकमों का अध्ययन करता है। क्योंकि ये पाठ्यक्रम केवल एक ही विषय(संस्कृत) तक सीमित होते हैं, इसलिए ऐसे पाठ्यक्रम को पढ़कर उत्तीर्ण हुआ विद्यार्थी स्नातक (B.A) के समकक्ष नहीं माना जाता है। इसीलिए शास्त्री (Proficiency in Sanskrit) की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाला विद्यार्थी स्नातकोत्तर (MA) की कक्षा में प्रवेश का पात्र नही माना जाता है। परन्तु हि0प्र0वि0वि0 के अध्यादेश, 2002, Vol.1,8.77 की व्याख्या के अनुसार शास्त्री उत्तीर्ण/शास्त्री अनुपूरक परीक्षा वाला विद्यार्थी आचार्य प्रथम वर्ष की कक्षा में प्रवेश ले सकता है।

2.2 शास्त्री Proficiency in Sanskrit) में प्रवेष के नियम

शास्त्री प्रथम वर्ष (Proficiency in Sanskrit) में प्रवेश के लिये वे सभी विद्यार्थी पात्र होंगे, जिन्होंने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से प्राक्–शास्त्री (प्रथम वर्ष+द्वितीय वर्ष) की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो। इसके अतिरिक्त वे सभी विद्यार्थी भी शास्त्री (Proficiency

in Sanskrit) में प्रवेश के पात्र होंगे, जिन्होंने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत/मानित अन्य संस्थानों से प्राक् शास्त्री (प्रथम वर्ष+द्वितीय वर्ष) अथवा संस्कृत विषय सहित तत्समकक्ष परीक्षा अथवा संस्कृत विषय सहित 10+2 की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो।

2.3 **विषेष टिप्पणी**

परन्तु यदि शास्त्री (Proficiency in Sanskrit) में उर्तीण विद्यार्थी हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के अध्यादेश 2002, खण्ड–1, अनुच्देछ 8.80 तथा 8.81(ii) के अनुसार स्नातक (B.A) स्तर पर पढें जाने वाले English (Elective) तथा संस्कृत विषय के अतिरिक्त B.A स्तर पर पढ़े जाने वाले किसी एक अन्य Elective विषय (Subject) की परीक्षा उत्तीर्ण कर लेता है तो उसे हि0प्र0वि0वि द्वारा दी जाने वाली B.A की उपाधि तो दी जायेगी, परन्तु कोई श्रेणी (Division) नहीं दी जायेगी।

2.4 **आयु सीमा**

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के पत्र संख्या 4–20/2015–एच.पी.यू (शै0) दिनांक 23 जून 2017 के अनुसार प्राक–शास्त्री, शास्त्री, विशिष्ट–शास्त्री, तथा आचार्य कक्षाओं में आयु सीमा के वे सभी नियम मान्य होंगे, जिनका उल्लेख हि0प्र0विश्वविद्यालय के अध्यादेश में अनुच्छेद 3.3(ए) में किया गया है।

3- विशिष्ट– शास्त्री (B.A Honours, Classics)

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के अध्यादेश 2002, खण्ड–1 अनुच्छेद 8.70 तथा 8.71 के अनुसार विशिष्ट शास्त्री का अभिप्राय ऐसे पाठ्यक्रम से है, जिसमें विद्यार्थी विशिष्ट–शास्त्री की निर्धारित समयावधि में संस्कृत–पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त दो संस्कृत भिन्न पाठ्यक्रमों का भी अध्ययन करता है। इन दोनों संस्कृत–भिन्न पाठ्यक्रमों में से English का पाठ्यक्रम B.A स्तर पर पढें जाने वाले पाठ्यक्रम के समान प्रत्येक विद्यार्थी को पढ़ना होगा। English के अतिरिक्त B.A स्तर पर पढ़े जाने वाले एक अन्य Elective Additional विषय का चयन विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार कर सकता है। परन्तु यह Elective Additional विषय विशिष्ट शास्त्री में पढ़े जाने वाले संस्कृत के पाठ्यक्रम के विषय से भिन्न होना चाहिये।

4. अतिरिक्त अनिवार्य /संस्कृत–भिन्न विषय (Non-Sanskrit Subjects)

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के अधिनियम 8.70, 8.71 तथा 8.72 के अनुसार विशिष्ट शास्त्री के इच्छुक विद्यार्थी के लिये यह आवश्यक है कि वह प्रथम से पष्ठ पाण्मासिकी पर्यन्त अथवा तीनों वर्षो में दो संस्कृत–भिन्न विषयों का अध्ययन अतिरिक्त अनिवार्य/संस्कृत भिन्न विषयों के रुप में करेगा। इन दोनो विषयों की प्रतिष्ठायें (Credits) BA कक्षाओं में निर्धारित की हुई प्रतिष्ठाओं (Credits) के समान होंगी। गत वर्षों की भांति यदि कोई विद्यार्थी अतिरिक्त अनिवार्य/संस्कृत भिन्न विषयों के बिना शास्त्री परीक्षा केवल संस्कृत–विषयों के साथ ही उत्तीर्ण करता है तो उसे केवल शास्त्री (Proficiency in Sanskrit) घोषित किया जायेगा। ऐसे विद्यार्थी MA की कक्षा में प्रवेश के लिये पात्र नहीं माना जायेगा।

5. अनिवार्य टिप्पणी

अतिरिक्त अनिवार्य/संस्कृत–भिन्न (Additional Elective/non Sanskrit Subject) विषयों के साथ विशिष्ट शास्त्री की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाला विद्यार्थी स्नातकोत्तर (MA) संस्कृत तथा संस्कृत–भिन्न सभी स्नातकोत्तर कक्षाओं, शिक्षा शास्त्री (B.Ed), एल0एल0बी0 आदि कक्षाओं में प्रवेश लेने के लिये पात्र होगा। इसके अतिरिक्त विशिष्ट शास्त्री उत्तीर्ण विद्यार्थी भारतीय एवं प्रादेशिक सेवाओं जैसे प्रशासनिक, न्यायिक, पुलिस आदि की परीक्षाओं एवं नियुक्तियों हेतु भी अर्हता/योग्यता रखेगा। कहने का अभिप्राय यह है कि विशिष्ट शास्त्री की परीक्षा उत्तीर्ण किये हुये विद्यार्थी की सभी पात्रतायें तथा अर्हतायें/योग्तायें वही होंगी, जो कला (BA) स्नातक की होती है। पाठशालाओं में संस्कृत अध्यापक के रुप में नियुक्ति के लिये भी शास्त्री स्नातक की अर्हता/योग्यता होगी।

Sd/-
डॉ0 रामदत्त शर्मा
(सदस्य)

Sd/-
डॉ0 प्रवीण कुमार विमल
(सदस्य)

Sd/-
डॉ ज्ञानेश्वर शर्मा
(विशेष आमन्त्रित सदस्य)

Sd/-
डॉ रेखा शर्मा
(विशेष आमन्त्रित सदस्य)

Sd/-
आचार्य प्रभात सिंह ठाकुर
बाह्य विशेषज्ञ,

Sd/-
आचार्य कौशल्या चौहान
अध्यक्ष,संस्कृत–विभाग
तथा
अध्यक्ष, पारम्परिक संस्कृत, अध्ययनसमिति

संस्कृत–विभाग

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय

शिमला– 171005

त्रिवर्षीय शास्त्री (Proficiency in Sanskrit) तथा त्रिवर्षीय विशिष्ट–शास्त्री (B.A Honours, Classics) (O.T.)कक्षाओं के लिए शैक्षणिक सत्र 2018–2019 से प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Year	Course Code	Course type	Course name	credits	Cumulated credit catageory wise
1st year		**Non Sanskrit Subject (English) Equivalent examination of the University as and when they are held**	**Any one out of DSC Courses**	**06**	**English 6** **Subject to be taken 6 From the faculties of languages & Social Sciences** **Major/core 6+6+ 6+ 6 = 24** **Major/core other than compulsory for all 6+6+6+6 =24** **Total = 60** Cumulated credit =60
		Non- Sanskrit subject (to be selected from the faculties of languages and Social Sciences) History, Pol-Science, Physical Education, Computer Science, Music, Hindi, etc Equivalent examination of the University as and when they are held	**Any one out of DSC Courses**	**06**	
	Compulsory for All				
	SHT-A-I	**Major /core I**	व्याकरण (वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी)	**06**	
	SHT-A-II	**Major /core II**	व्याकरण (वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी)	**06**	
	SHT-B-I	**Major /core I**	साहित्य	**06**	
	SHT-B-II	**Major /core II**	साहित्य	**06**	
	Any two Groups of the following(Groups once opted in first year will countinue upto 3rd year without any change)				
	SHT-C-I	**Major /core I**	दर्शन	**06**	
	SHT-C-II	**Major /core II**	दर्शन	**06**	
	अथवा				
	SHT-D-I	**Major /core I**	वेद	**06**	
	SHT-D-II	**Major /core II**	वेद	**06**	
	अथवा				
	SHT-E-I	**Major /core I**	ज्योतिष	**06**	
	SHT-E-II	**Major /core II**	ज्योतिष	**06**	
	अथवा				
	SHT-F-I	**Major /core I**	धर्मशास्त्र	**06**	
	SHT-F-II	**Major /core II**	धर्मशास्त्र	**06**	

Approved by the O.T.B.O.S held 21.7.2018

Year	Course Code	Course type	Course name	credits	Cumulated credit catageory wise
		Non Sanskrit Subject (English) Equivalent examination of the University as and when they are held	**Any one out of DSC Courses**	**06**	**English 6** **Subject to be taken 6 From the faculties of languages & Social Sciences** **Major/core 6+6+ 6+ 6 = 24** **Major/core other than compulsory for all 6+6+6+6 =24** **Total = 60** Cumulated credit (60+60)=120
		Non- Sanskrit subject (to be selected from the faculties of languages and Social Sciences) History, Pol-Science, Physical Education, Computer Science, Music, Hindi, etc Equivalent examination of the University as and when they are held	**Any one out of DSC Courses**	**06**	
	Compulsory for All				
2nd Year	**SHT-A-III**	**Major /core III**	व्याकरण (वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी)	**06**	
	SHT-A-IV	**Major /core IV**	व्याकरण (वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी)	**06**	
	SHT-B-III	**Major /core III**	साहित्य	**06**	
	SHT-B-IV	**Major /core IV**	साहित्य	**06**	
	Any two Groups of the following(Groups once opted in first year will countinue upto 3rd year without any change)				
	SHT-C-III	**Major /core III**	दर्शन	**06**	
	SHT-C-IV	**Major /core IV**	दर्शन	**06**	
	अथवा				
	SHT-D-III	**Major /core III**	वेद	**06**	
	SHT-D-IV	**Major /core IV**	वेद	**06**	
	अथवा				
	SHT-E-III	**Major /core III**	ज्योतिष	**06**	
	SHT-E-IV	**Major /core IV**	ज्योतिष	**06**	
	अथवा				
	SHT-F-III	**Major /core III**	धर्मशास्त्र	**06**	
	SHT-F-IV	**Major /core IV**	धर्मशास्त्र	**06**	

Approved by the O.T.B.O.S held 21.7.2018

Year	Course Code	Course type	Course name	credits	Cumulated credit catageory wise
3rd Year		Non Sanskrit Subject (English) Equivalent examination of the University as and when they are held	Any one out of DSE Courses	06	English 6 Subject to be taken From the faculties of languages & Social Sciences 6 Major/core 6+6+ 6+ 6 = 24 Major/core other than compulsory for all 6+6+6+6 =24 Total = 60 Cumulated credit(60+60+60)=180
		Non- Sanskrit subject (to be selected from the faculties of languages and Social Sciences) History, Pol-Science, Physical Education, Computer Science, Music, Hindi, etc Equivalent examination of the University as and when they are held	Any one out of DSE Courses	06	
	Compulsory for All				
	SHT-A-V	Major /core V	व्याकरण (वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी)	06	
	SHT-A-VI	Major /core VI	व्याकरण (वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी)	06	
	SHT-B-V	Major /core V	साहित्य	06	
	SHT-B-VI	Major /core VI	साहित्य	06	
	Any two Groups of the following(Groups once opted in first year will countinue upto 3rd year without any change)				
	SHT-C-V	Major /core V	दर्शन	06	
	SHT-C-VI	Major /core VI	दर्शन	06	
	अथवा				
	SHT-D-V	Major /core V	वेद	06	
	SHT-D-VI	Major /core VI	वेद	06	
	अथवा				
	SHT-E-V	Major /core V	ज्योतिष	06	
	SHT-E-VI	Major /core VI	ज्योतिष	06	
	SHT-F-V	Major /core V	धर्मशास्त्र	06	
	SHT-F-VI	Major /core VI	धर्मशास्त्र	06	

व्याकरण

Major/Core

SHT – A – 1

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1.	संज्ञा प्रकरण	10 अंक
2.	परिभाषा प्रकरण	
3	संधि–प्रकरण	25 अंक
4	षड्लिंग प्रकरण	25 अंक
5	शब्दरूप	10 अंक

टिप्पणी – सभी वर्गों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1 वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी, लेखक : भट्टोजिदीक्षित, प्रकाशन : मोतीलाल बनारसी दास,
2 वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी, लेखक : भट्टोजिदीक्षित,बालमनोरमा, तत्त्वबोधिनी (दो भाग में)

व्याकरण

Major/Core

SHT – A – II

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1.	कारक प्रकरण	30 अंक
2.	स्त्री प्रत्यय प्रकरण	20 अंक
3.	पाणिनीय षिक्षा	20 अंक

टिप्पणी – सभी खण्डों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, लेखक : भट्टोजिदीक्षित, प्रकाशक : मोतीलाल बनारसी दास
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी, लेखक : भट्टोजिदीक्षित, बालमनोरमा, तत्त्वबोधिनी (दो भाग में)
3. पाणिनीय षिक्षा : 'वेदा›.षिक्षाविमर्षाख्य' संस्कृतव्याख्या तथा हिन्दी टीका सहित... (षिवराज आचार्य कौण्डिन्नयायन)

व्याकरण

Major/Core

SHT – A - III

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1.	भ्वादिगण	30 अंक
2.	समास प्रकरण	30 अंक
3.	धातुरूप	10 अंक

टिप्पणी – सभी खण्डों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी, लेखक : भट्टोजिदीक्षित,बालमनोरमा, तत्त्वबोधिनी (दो भाग में)

व्याकरण

Major/Core

SHT – A – IV

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1.	अदादिगण से चुरादिगण तक	30 अंक
2.	प्रक्रिया (णिजन्त, सन्नत, यड.न्त, नामधातु, परस्मैपद, आत्मनेपद)	30 अंक
3.	धातुरूप	10 अंक

टिप्पणी – सभी खण्डों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, लेखक : भट्टोजिदीक्षित, प्रकाशक : मोतीलाल बनारसी दास
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी, लेखक : भट्टोजिदीक्षित, बालमनोरमा, तत्त्वबोधिनी (दो भाग में)

व्याकरण

Major/Core

SHT – A - V

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1.	कृदन्त प्रकरण (मध्यसिद्धान्त कौमुदी)	40 अंक
2.	महाभाष्य (प्रथम आह्निक)	20 अंक
3.	लि›ानुषासनम्	10 अंक

टिप्पणी – सभी खण्डों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. मध्यसिद्धान्त कौमुदी : वरदराजकृत, चौखम्भा सुरभारती प्रकाषन, वाराणसी।
2. वैयाकरण महाभाष्यम् : चौखम्भा सुरभारती प्रकाषन ।
3. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी, लेखक : भट्टोजिदीक्षित, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली

व्याकरण

Major/Core

SHT – A – VI

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1.	तद्धित प्रकरण	(मध्यसिद्धान्त कौमुदी)	40 अंक
2.	उणादि प्रकरण	(मध्यसिद्धान्त कौमुदी)	30 अंक

टिप्पणी – सभी खण्डों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. मध्यसिद्धान्त कौमुदी : वरदराजकृत, चौखम्भा सुरभारती प्रकाषन, वाराणसी।
2. मध्यसिद्धान्त कौमुदी : सम्पादक विष्वनाथ शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली।

साहित्य

Major/Core

SHT – B – 1

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1.	अभिज्ञानषाकुन्तलम्	(1–4 अंक तक)	30 अंक
2.	हिमाचलवैभवम्	(1 निसर्ग)	20 अंक
3.	वृत्तरत्नाकर	(तृतीय अध्याय)	20 अंक

टिप्पणी – सभी खण्डों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. अभिज्ञानषाकुन्तलम् : अभिनवराजलक्ष्मी' संस्कृतटीका, भाषाटीकाः आचार्य सीताराम षास्त्री : चौखम्भा सुरभारती प्रकाषन
2. हिमाचलवैभवम्, प्रो0 केषव शर्मा, मान्यता प्रकाषन, नई दिल्ली।
3. वृत्तरत्नाकर , चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी

साहित्य

Major/Core

SHT – B – II

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1.	षिवराजविजयम्	(प्रथम विराम 1–2 निश्वास)	30 अंक
2.	मेघदूत	(पूर्वमेघ)	20 अंक
3.	रचनानुवाद		20 अंक

टिप्पणी – सभी खण्डों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. शिवराजविजयम्, लेखक : पं० अम्बिकादत्त व्यास, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
2. मेघदूत, चौखम्भा सुरभारती प्रकाषन,नई दिल्ली।
3. रचनानुवादकौमुदी, लेखकः श्री कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी

साहित्य

Major/Core

SHT – B – III

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1.	उत्तररामचरितम्	(1–4 अंक)	35 अंक
2.	साहित्य दर्पण	1,2,3 (35 से 80 कारिकाओं को छोडकर) षष्ठपरिच्छेद (47 से 312 कारिकाओं को छोडकर)	35 अंक

टिप्पणी – सभी खण्डों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. उत्तररामचरितम् संस्कृत टीका तथा हिन्दी अनुवाद सहित, सं0 जनार्नद शास्त्री पाण्डेय, व्याख्याकारः आनन्द स्वरूप, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।
2. साहित्य दर्पण, लेखकः श्रीविश्वनाथ, चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी

साहित्य

Major/Core

SHT – B – IV

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1. कादम्बरी (कथामुखम् , षुकनासोपदेष तक) 30 अंक
2. किरातार्जुनीयम (प्रथमसर्ग) 20 अंक
3. निबन्ध तथा अनुवाद 20 अंक

टिप्पणी – सभी खण्डों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. कादम्बरी,'चन्द्रकला' संस्कृत–हिन्दी व्याख्या सहित व्याख्याकार : आचार्य शेषराजशर्मा रेग्मी, चौखम्भा प्रकाशन, दिल्ली–बनारस–वाराणसी
2. किरातार्जुनीयम्, लेखकः श्रीभारवि, चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
3. रचनानुवादकौमुदी, लेखकः श्री कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी

साहित्य

Major/Core

SHT – B – V

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास (भवभूति, दण्डी, बाल्मीकि, भट्नारायण, भारवि, जयदेव, अष्वघोष, वाणभट्, भास, माघ, सुबन्धु, कालिदास, विषाखादत्त, राजषेखर) 40 अंक
2. नैषधीय चरितम् (प्रथमसर्ग) 30 अंक

टिप्पणी – सभी खण्डों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा सुरभारती प्रकाषन,वाराणसी।
2. नैषधीय चरितम्, चौखम्भा सुरभारती प्रकाषन,वाराणसी।

साहित्य

Major/Core

SHT – B – VI

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1. काव्यप्रकाष 1,2,3,4(षान्तरस तक), 8,9,10, उल्लास 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. काव्यप्रकाष, ज्योतिषमती टीका, हिन्दी व्याख्या सहित, टीकाकार : रामसागर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।

दर्शन

Major/Core

SHT – C – 1

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1. कणादगौतमीयम् (सम्पूर्ण) 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. कणादगौतमीयम्, आचार्य विश्वनाथविरचित, भारतीय संस्कृत भवन, जालन्धर

दर्शन

Major/Core

SHT – C –II

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1. साँख्यकारिका (सम्पूर्ण) 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. साँख्यकारिका , लेखकः श्री ईश्वरकृष्ण, मोतीलाल बनारसीदास, जवाहर नगर, दिल्ली

दर्शन

Major/Core

SHT – C – III

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1. योगसार संग्रह (सम्पूर्ण) 50 अंक
2. मुण्डोकपनिषद् 20 अंक

टिप्पणी – सभी खण्डों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. योगसार संग्रह, लेखक : श्रीविज्ञानाभिक्षु, ईस्टर्न बुक लिंकर्ज, दिल्ली ।
2. ईशादिदशोपनिषदः, शांकरभाष्य सहित,टिप्पणीकार : श्रीगोविन्दशास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. ईशादिदशोपनिषदः, गीताप्रेस, गोरखपूर।

दर्शन

Major/Core

SHT – C –IV

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1. अर्थसंग्रह (सम्पूर्ण) 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. अर्थसंग्रह, लेखक : लौगक्षिभास्कर, व्याख्याकार : कामेष्वरनाथमिश्र कृत 'प्रकाषिका' हिन्दी व्याख्या सहित, चौखम्भा सुरभारती प्रकाषन ।
2. अर्थसंग्रह, लेखक : लौगक्षिभास्कर, व्याख्याकार : दयाषंकर षास्त्री 'अर्थबोधिनी' हिन्दी व्याख्या सहित, चौखम्भा सुरभारती प्रकाषन ।

दर्शन

Major/Core

SHT – C – V

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1. वेदान्त सार 50 अंक
2. माण्डूक्योपनिषद् 20 अंक

टिप्पणी – सभी खण्डों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. वेदान्त सार, सदानन्द, चौखम्भा सुरभारती प्रकाषन, वाराणसी
2. ईशादिदशोपनिषदः, शांकरभाष्य सहित,टिप्पणीकार : श्रीगोविन्दशास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. ईशादिदशोपनिषदः, गीताप्रेस, गोरखपूर।

दर्शन

Major/Core

SHT – C –VI

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1. नास्तिक दर्षन (जैन, बौद्ध तथा चार्वाक) 40 अंक
2. भारतीयदर्षने अध्यात्मविवेचनम् 30 अंक

टिप्पणी – सभी खण्डों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. सर्वदर्षन संग्रह, लेखक : श्रीमाध्वाचार्य,चौखम्भा सुरभारती प्रकाषन, वाराणसी
2. भारतीयदर्षने अध्यात्मविवेचनम्, लेखक : डॉ हरीदत्त षर्मा 153/7, भक्ति–सदन, ठोडो मैदान, जिला सोलन, हि0प्र0 ।

वेद

Major/Core

SHT – D– 1

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1. ऋक्सूक्त संग्रह

मण्डल	सूक्तसंख्या
I	85, 154
II	59
IV	51
V	83
VI	53
VII	49
X	90

50 अंक

2 ऋग्वेद से सम्बन्धित शाखाओं, ब्राह्मणों, आरण्यकों तथा उपनिषद् ग्रन्थों का परिचय एवं तत्सम्बद्ध वेदांग परिचय 20 अंक

टिप्पणी – सभी खण्डों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. ऋक्सूक्त संग्रह, व्याख्याकार : डॉ0 हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाज़ार, मेरठ–250002
2. ऋग्वेद (सायण भाष्य सहित)विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोध संस्थान, साधु आश्रम, होशियारपुर, पंजाब
3. ऋग्वेद संहिता, सायणाचार्य कृत भाष्य एवं हिन्दी व्याख्या सहित, (1–9 भाग), चौखम्भ संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी

वेद

Major/Core

SHT – D – II

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1. निरुक्त (1,2,7 अध्याय) 50 अंक
2. ऋग्वेदभाष्य भूमिका (वेदांग भाग मात्र) 20 अंक

टिप्पणी – सभी खण्डों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. निरुक्त, मेहरचन्द लक्ष्मीदास प्रकाशन, दिल्ली
2. निरुक्त, दुर्गाचार्यकृत ऋज्वर्थाख्य व्याख्यानुसारिणी संस्कृत व्याख्या, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी
3. ऋग्वेदभाष्य भूमिका, सायणाचार्यकृत, चौखम्भा प्रकाशन वाराणसी

वेद

Major/Core

SHT– D– III

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1. शुक्ल यजुर्वेद (14,31,40 अध्याय) 50 अंक
2. यजुर्वेद से सम्बन्धित शाखाओं, ब्राह्मणों, आरण्यकों तथा उपनिषद् ग्रन्थों का परिचय एवं तत्सम्बद्ध वेदांग परिचय 20 अंक

टिप्पणी – सभी खण्डों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. शुक्ल यजुर्वेद(दयानन्दसरस्वतीभाष्य),सम्पादक : युधिष्ठर मीमांसक, प्रकाशकः वैदिक पुस्तकालय, दयानन्द आश्रम केसरगंज, अजमेर, राजस्थान
2. शुक्ल यजुर्वेद(दयानन्दसरस्वतीभाष्य), प्रकाशक : रामलालकपूर ट्रस्ट, बहालगढ़, सोनीपत

वेद

Major/Core

SHT – D – IV

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1. स्वर प्रक्रिया प्रकाष (1 से 4 प्रकाष तक) 35 अंक
2. याज्ञयवल्कीय षिक्षा (सम्पूर्ण) 35 अंक

टिप्पणी – सभी खण्डों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. स्वर प्रक्रिया प्रकाष, वामदेव मिश्र, चौखम्भासुरभारती प्रकाषन, दिल्ली–बनारस–वाराणसी
2. याज्ञवल्क्यषिक्षा, चौखम्भासुरभारती प्रकाषन, दिल्ली–बनारस–वाराणसी

वेद

Major/Core

SHT – D– V

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1. अथर्ववेद (सायणभाष्य) का भूमिसूक्त 50 अंक
2. अथर्ववेद से सम्बन्धित शाखाओं, ब्राह्मणों, आरण्यकों तथा उपनिषद् ग्रन्थों का परिचय एवं तत्सम्बद्ध वेदांग परिचय 20 अंक

टिप्पणी – सभी खण्डों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. अथर्ववेद (सायणभाष्य), 1–8 भाग, चौखम्भा प्रकाशन

वेद

Major/Core

SHT – D – VI

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1. वैदिक साहित्य का इतिहास 35 अंक
2. पारस्कर गृहसूत्र (1 से 3 अध्याय) 35 अंक

टिप्पणी – सभी खण्डों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. वैदिक साहित्य का इतिहास , चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
2. पारस्कर गृह्यसूत्र, सम्पादक : डॉ0 सुधाकर मालवीय, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी

ज्योतिष

Major/Core

SHT – E – 1

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1	बृहदवकहोडा चक्रम् (सम्पूर्ण)	40 अंक
2	गोल परिभाषा	30 अंक

टिप्पणी – सभी खण्डों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. बृहदवकहडाचक्रम्, टीकाकार : पं. अवध बिहारी त्रिपाठी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाषन ।
2. गोल परिभाषा, केदारदत्त जोषी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

ज्योतिष

Major/Core

SHT – E – II

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1.	ताजिकनीलकण्ठी ("ोड्'ा योग पर्यन्त)	70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. ताजिकनीलकण्ठी, नीलकण्ठदैवज्ञ प्रणीत, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

ज्योतिष

Major/Core

SHT – E – III

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1.	जातकालंकार (सम्पूर्ण)	70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. जातकालंकार, श्री गणेश दैवज्ञ, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली

ज्योतिष

Major/Core

SHT – E – IV

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1. मुहुर्तचिन्तामणि (संस्कार तथा विवाह प्रकरण) 40 अंक
2. उडुदाय प्रदीप (सम्पूर्ण) 30 अंक

टिप्पणी – सभी खण्डों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. मुहुर्तचिन्तामणि, श्रीराम दैवज्ञ कृत,'पीयुषधारा संस्कृत एवं 'मणिप्रदीप' हिन्दी व्याख्या सहित, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, 38, यूम्एक्‍ बैंग्ला रोड, जवाहर–नगर–दिल्ली–7
2. उडुदाय प्रदीप (सम्पूर्ण), प्रकाशक : मोतीलाल बनारसी दास, नयी सड़क, दिल्ली

ज्योतिष

Major/Core

SHT – E – V

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1. बृहद्जातकम् (1 से 6 अध्याय तक) 40 अंक
2. भारतीयज्योतिषषास्त्रस्य इतिहास 30 अंक

टिप्पणी – सभी खण्डों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. बृहज्जातक, लेखक : वाराहमिहिर, मोतीलाल बनारसीदास, नयी सड़क, दिल्ली
2. बृहज्जातक, लेखक : वाराहमिहिर, भट्टोत्पल संस्कृत तथा केदारदत्त जोशी कृत हिन्दी टीका सहित, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
3. भारतीयज्योतिषषास्त्रस्य इतिहास, लोकमणिदहाल, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

ज्योतिष

Major/Core

SHT - E – VI

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1. सूर्यसिद्धान्त (चन्द्रग्रहण अधिकार तक) 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. सूर्यसिद्धान्त, सौरदीपिका, भाष्या भाष्य सहित, टीकाकार : पं माधवप्रसाद पुराहित "सिद्धान्तवागीष', चौखम्भा प्रकाषन, दिल्ली–बनारस–वाराणसी

धर्मशास्त्र

Major /Core

SHT – F – I

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1. धर्मसिन्धु (1–2 परिच्छेद) 70अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. धर्मसिन्धु, श्रीकाशीनाथ उपाध्यायकृत, मोतीलाल, बनारसीदास, दिल्ली

धर्मशास्त्र

Major /Core

SHT – F – II

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1. धर्मसिन्धु (तृतीय परिच्छेद (पूर्वार्द्ध)) 35 अंक
2. मनुसमृति, (1–5 अध्याय) 35 अंक

टिप्पणी – सभी खण्डों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. धर्मसिन्धु, लेखक : श्रीकाशीनाथोपाध्याय, मोतीलाल, बनारसीदास, दिल्ली
2. धर्मसिन्धु, लेखक : श्रीकाशीनाथोपाध्याय, सम्पादक : श्रीवासुदेवलक्ष्मणशास्त्रीशीकर चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, 38 ूव् एव्, बैग्लोरोड, जवाहर–नगर, दिल्ली– 7 धर्मसिन्धु (1–2 परिच्छेद)
3. मनुसमृति, रामेश्वर भट्टकृत हिन्दी टीका सहित, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, 38 यूव् एव्, बैंग्लो रोड, नयी दिल्ली–7

धर्मशास्त्र

Major /Core

SHT – F – III

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1. याज्ञवल्क्यस्मृति (आचाराध्याय एवं व्यवहाराध्याय) 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. 1. याज्ञवल्क्यस्मृति, 'मिताक्षरा' संस्कृत तथा हिन्दी टीकासहित, चौखम्भा प्रकाशन, दिल्ली–बनारस–वाराणसीकर्मठगुरुः (सम्पूर्ण)

धर्मशास्त्र

Major /Core

SHT – F – IV

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1. कर्मठगुरुः (पूजा होम प्रकरण) 35 अंक
2. निर्णयसिन्धु (प्रथम परिच्छेद, मल्लमासनिरूपण पर्यन्तम्) 35 अंक

टिप्पणी – सभी खण्डों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. कर्मठगुरुः श्रीमुकुन्दवल्लभविरचित, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, 38, यू.ए., बैंग्लो रोड़, जवाहरनगर, दिल्ली–7
2. निर्णयसिन्धुः, श्रीकमलाकरभट्टप्रणीत, प्रकाशक : काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वारणसी

धर्मशास्त्र

Major /Core

SHT – F – V

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1. निणर्यसिन्धुः (प्रथम परिच्छेद, पक्ष निर्णयतः खण्डतिथिलक्षण पर्यन्तम्) 35 अंक
2. मनुस्मृति (6–10 अध्याय्) 35 अंक

टिप्पणी – सभी खण्डों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

अनुशंसित ग्रन्थ

1. निर्णयसिन्धुः, श्रीकमलाकरभट्टप्रणीत, प्रकाशक : काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी
2. मनुस्मृति, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली

धर्मशास्त्र

Major /Core

SHT – F – VI

पूर्णांक : 100
सत्र के अन्त में परीक्षा : 70
आन्तरिक मूल्याँकन : 30
समय : तीन घण्टे

1. पाराशरस्मृति (प्रायश्चिताध्याय) 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. पाराशरस्मृति, चौखम्भा संस्कृत सीरीज वाराणसी

Continuous comprehensive assessment (CCA) Pattern

Minor Test (Marks)	Class test / Tutorial /Assignments (Marks)	Quiz/ Seminars (Marks)	Attendance	Total marks
Test1	20	5	5	30
Total	20	5	5	

*** The pattern of question paper for conducting test, will be as under**

ii) Examination system :

Maximum Marks Allotted	Minimum pass marks	Time allotted
70	As per University Rules	3.00 hrs

iii) Paper setting scheme

Section	No. of Question	Syllabus Coverage	Nature of Questions and Answer	Question to be attempted	Maximum Marks
A	10 (1 Marks each)	Complete	Objective Type	10	10
B	5 (2marks each)	Complete	Shot answer type (25 words)	5	10
C	10 (4 marks each)	Complete	Medium answer type (50 words)	5	20
D	6 (10 marks each)	Complete	Long answer type (1000 words)	3	30